

नाक या कान में पहना जाने वाला उक्त कली के आकार का चाँदी या सोने आदि का आभूषण।
लौंग-चिड़ा पुं. (देश.) बेसन मिलाकर बनाए जाने वाला एक प्रकार का कबाब 2. फुलका, आग पर सिकी हुई फुलाई गई रोटी।

लौंग-मुश्क पुं. (देश.) एक प्रकार का पौधा और उसका फूल।

लौंगरा पुं. (देश.) एक प्रकार का ऐसा साग जिसमें लगने या निकलने वाली कलियां लौंग की तरह की होती हैं।

लौंग-लता स्त्री. (तत्.) 1. लवंगलता 2. लौंग की बेल 2. एक प्रकार की मिठाई जो मैदे से समोसे के आकार में बनाई जाती है तथा भीतर खोया भरा होता है व ऊपर लौंग खोंस दी जाती है।

लौंगिया वि. (तद्.) 1. लौंग के रंग का 2. लौंग की भाँति का छोटा, पतला और थोड़ा लंबा 3. लौंग की तरह का।

लौंगिया मिर्च स्त्री. (तद्.) 1. एक प्रकार की छोटी एवं लौंग के आकार की बहुत कड़वी मिर्च जिसका पौधा काफी बड़ा होता है पर फल बहुत छोटे होते हैं 2. एक प्रकार की मिरची।

लौंजी स्त्री. (देश.) 1. आम को फाँकों में काटकर बनाई गई एक प्रकार की तरकारी 2. आम की फाँक जो अचार तथा चटनी के काम आती है।

लौंडा पुं. (देश.) 1. छोकरा, बालक, लड़का 2. अबोध एवं नासमझ नवयुवक 3. छिछोरा 4. ऐसा लड़का जिसके साथ लोगों द्वारा अस्वाभाविक मैथुन किया जाता हो स्त्री. लौंडिया, लौंडी।

लौंडेबाज वि. (देश.+फा.) बालकों या लड़कों के साथ अप्राकृतिक संभोग या मैथुन करने वाला पुरुष स्त्री. नवयुवकों से प्रेम करने वाली स्त्री।

लौंडेबाजी स्त्री. (देश.+फा.) 1. लौंडेबाज होने की अवस्था, प्रवृत्ति या भाव 2. दुराचारी पुरुष द्वारा किया गया वह अप्राकृतिक कार्य या क्रिया जो लड़कों या बालकों के साथ मैथुन के रूप में की जाती है।

लौंडोघेरी स्त्री. (देश.) 1. लौंडों या लड़कों को घेरने या अपने अनुकूल दुराचार प्रवीण बनाने वाली

नारी 2. वह बदचलन स्त्री जिसके पास प्रायः उसी के समान चालचलन वाले नवयुवकों का आना-जाना रहता हो 3. दुश्चरित्र स्त्री।

लौंद पुं. (देश.) 1. मलमास, अधिमास 2. दो सौर संक्रांतियों के मध्य में पड़ने वाला चांद्र मास या महीना टि. यह मास ईश्वराधन, पूजा-पाठ, तीर्थाटन आदि के अन्य उत्तम और धार्मिक कार्यों के लिए श्रेष्ठ महीना माना जाता है पर इसमें शादी-विवाह आदि मांगलिक कार्य किया जाना वर्जित होता है।

लौंदरा पुं. (देश.) 1. ग्रीष्म ऋतु में वर्षाकाल प्रारंभ होने से पहले ही होने वाली वर्षा या बरसने वाला जल, पानी, दौंगरा 2. लवंद।

लौंदी स्त्री. (देश.) 1. खंडसार के शीरे के पाग को चलाए जाने हेतु प्रयुक्त करछी 2. उक्त करछी में भरकर निकाली गई पाग या उसी प्रकार का कोई भार।

लौन पुं. (तद्.) 1. लवणा 2. लोन या नमक 3. लौंद।

लौ स्त्री. (देश.) 1. आग या अग्नि की लौ या लपट 2. दीपक की लौ, दीप-शिखा 3. ज्वाला 4. लगन या धुन 5. कामना या उत्कट अभिलाषा 6. विशिष्ट प्रेम मुहा. लौ लगाना- सदा ध्यान में बनाए रखना; लौ लगाना- धुन सवार हो जाना; लौ लाना- प्रेम में लीन होना अव्य. (देश.) 1. पर्यंत, तक 2. समान, तुल्य, बराबर 3. किसी की तरह या भाँति (ब्रज.)।

लौआ पुं. (तद्.) 1. धीआ 2. लौका 3. कद्दू-बेल पर लगने वाला एक शाक (साग) जो लंबा व गोल आकार में होता एवं लगता है।

लौकना अ.क्रि. (तद्.) 1. चमकना 2. दिखाई देना 3. देखना, अवलोकन 4. आँखों में चकाचौंध होना 5. लपलपाना (जिह्वा का या बादलों से बिजली का) उदा. होड़ अंधियार बीजु लग लौ कै नबहिं चीरगहि झाँपु -जायसी।

लौकांतिक पुं. (तत्.) (जैन धर्मानुसार) पाँचवें स्वर्ग में रमने या जा बसने वाला जीव।

लौका पुं. (तद्.) कद्दू, धीआ स्त्री. लौकी स्त्री. (देश.) 1. चमक 2. कांति, शोभा।